पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

ट्विंकल खन्ना ने बताई मेनोपॉज की दिक्कतें

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 207 | मंगलवार 11 नवंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

शहर में दल-बदल की राजनीति शुरू

महानगर पालिका चुनाव

आज उल्हासनगर मनपा वार्ड आरक्षण लॉटरी

- उम्मीदवार चुनेंगे अपना वार्ड
- युवाओं उम्मीदवारों में चुनाव लड़ने की उत्सुकता ज्यादा
- अपनी कुर्सी नहीं छोड़ेंगे नगरसेवक
- ओबीसी उम्मीदवारों की फुल डिमांड

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव जनवरी-फरवरी 2026 में होना है। ऐसे में वार्ड आरक्षण हेतु आज लॉटरी पद्धति से आरक्षण तय किया जाएगा। आरक्षण के बाद से ही उम्मीदवार अपना वार्ड तय करेंगे। इस बार के मनपा चुनाव में सबसे ज्यादा युवा उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाने मैदान में उतर रहे हैं। लेकिन पूर्व व भूतपूर्व नगरसेवक उन युवाओं के इरादों पर पानी फेरने की तैयारी में है। क्योंकि शहर की राजनीति पल-पल बदल रही है। चुनाव से पूर्व ही दल-बदल की राजनीति शुरू हो चुकी है। पक्ष के कद्दावर नेता व पूर्व नगरसेवक को अपने पक्ष में लेने की तैयारी के लिए साम, दाम, दंड भेद की राजनीति कर रहे है।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में कुल 20 पैनलों के 78 वार्ड है। जिसके लिए

आज मंगलवार, 11 नवंबर 2025 को सुबह 11 बजे उल्हासनगर-3 स्थित टाउन हॉल में यह आरक्षण की प्रक्रिया होगी। मनपा चुनाव के लिए अनुसूचित जाति (महिला), अनुसूचित जनजाति (महिला), नागरिकों के पिछड़ा वर्ग, नागरिकों के पिछड़ा वर्ग (महिला) एवं सामान्य महिलाओं के लिए आरक्षण निर्धारण हेतु लॉटरी पद्धति द्वारा आरक्षण तय किये जायेंगे। इस आरक्षण में सबसे ज्यादा डिमांड ओबीसी उम्मीदवारों की है। ओबीसी उम्मीदवार पाने के लिए सभी पक्ष एक ही परिवार की ओबीसी महिला उम्मीदवारों को भी मैदान में उतार रहे हैं। एक ही परिवार से कई उम्मीदवार मैदान में देखने को मिल सकते हैं। जिस कारण ओबीसी उम्मीदवारों की लॉटरी लग चुकी है।

युवाओं को लॉलीपॉप

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव में भाजपा व शिवसेना के बीच गठबंधन की संभावना बहुत ही कम है लेकिन चुनाव परिणाम के बाद सत्ता का सुख दोनों साथ में लेंगे। दोनों सत्ताधारी पक्ष अपने दम पर चुनाव लड़कर विपक्ष को खत्म करने का प्लान कर रहे हैं। जिस कारण दोनों ही पक्ष किसी भी तरह का रिस्क न लेते हुए वार्ड में मजबूत उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारेंगे। जिस कारण पुराने नगरसेवकों को ही मौका मिलेगा और एक बार फिर युवा उम्मीदवारों को लॉलीपॉप मिल सकता है। हालांकि सभी पक्ष युवाओं को टिकट देने का वादा कर रहे हैं। नए चेहरों को मौका मिलेगा या नहीं यह तो समय ही बताएगा फिलहाल टिकट पाने के लिए सभी युवा उम्मीदवार पार्टी कार्यालयों के चक्कर काटते हुए नजर आ रहे हैं और टिकट नहीं मिलने पर दल-बदलने का सिलसिला भी जोरों पर जारी है। आरक्षण के बाद कई युवा व पूर्व नगरसेवक बड़ी संख्या में दल-बदल करेंगे।

उल्हासनगर का सिंधी समाज आक्रोशित

अमित बघेल के विरुद्ध 13 को जन आक्रोश बाइक रैली

छत्तीसगढ़ के नेता ने सिंधी समाज पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

- देशभर में सिंधी समाज का विरोध हुआ तीव्र
- सिंधी एकता पत्रकार मंच ने की अपील रैली में शामिल होने की अपील

उल्हासनगर। छत्तीसगढ़ के एक नेता अमित बघेल ने 26 अक्टूबर 2025 को सिंधी समाज के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी की उसने सिंधी समुदाय को पाकिस्तानी बताया और इष्ट देव झूलेलाल के लिए उचित भाषा का प्रयोग नहीं किया तबसे लेकर आज तक देश-विदेश में बसे सिंधी समुदाय ने अमित बघेल पर एफआईआर दर्ज करके उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। पिछले करीब 15 दिनों में उल्हासनगर सहित कई शहरों में सिंधी समाज द्वारा एफआईआर तो दर्ज कराई गई है लेकिन अब तक उस नेता पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है ऐसे में सिंधी समाज आक्रोशित है। उल्हासनगर में अमित बघेल के विरुद्ध में गुरुवार 13 नवंबर 2025 को शाम 4 बजे जन आक्रोश बाइक रैली का आयोजन उल्हासनगर-1 स्थित गोल मैदान से झूलेलाल मंदिर तक किया गया है। इस जन आक्रोश बाइक रैली में बड़ी से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील सिंधी एकता पत्रकार मंच ने सिंधी समाज से की है।

ज्ञात हो कि अमित बघेल के विवादास्पद बयान के बाद शहर के सभी सिंधी संगठनओं और विभिन्न पार्टियों से जुड़े नेताओं ने पुलिस उपायुक्त से मिलकर बघेल पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। पिछले सप्ताह बघेल पर उल्हासनगर पुलिस थाने में एफआईआर तो हो गई लेकिन अब तक छत्तीसगढ़ में उस नेता के खिलाफ कोई भी सख्त कदम नहीं उठाए गए हैं। ऐसे में बघेल को गिरफ्तार कर उसपर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग आक्रोशित सिंधी समुदाय ने की है ताकि कोई भी सिंधी समाज को भविष्य में कहने से पूर्व इतिहास जान ले।

बाइक रैली का आयोजन...

उल्हासनगर-1 स्थित गोल मैदान साधु वासवानी स्टेज पर सभी झूलेलाल के भक्त एकत्रित होकर इस आक्रोशित रैली में शामिल होंगे और यह रैली गोल मैदान से किशोर पैटिस, नेहरू चौक, जापानी बाजार, सीरू चौक, आवत चौक होते हुए झूलेलाल मंदिर पर समाप्त होगी। वहां पर अमित बघेल के लिए विरोध प्रदर्शन कर देशभर में सिंधी समाज की एकता का भी प्रदर्शन होगा। सिंधी समाज से जुड़े सभी पक्ष के नेता, व्यापारी, सामाजिक संघटना, वरिष्ठ नागरिक, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर, सिंधी कलाकार युवा, महिलाओं को बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील सिंधी एकता पत्रकार मंच ने की है।

मनपा का अपना जल स्रोत होगा?

उल्हासनगर. नगर विकास विभाग की शहरी उत्थान योजना के तहत उल्हासनगर मनपा की 220 करोड़ रुपये की अपनी जल स्रोत बनाने की योजना कुछ वर्षों से बिना मंज़ूरी के अटकी हुई है। जल स्रोत योजना को मंज़ूरी न मिलने पर, आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सीधे विश्व बैंक का दरवाज़ा खटखटाया।

आयुक्त मनीषा आव्हाले, परियोजना प्रबंधन सलाहकार माधव जावड़े, उपायुक्त अनंत जावदवार और जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक घुले ने एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से विश्व बैंक के अधिकारियों के समक्ष जल स्रोत योजना की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि योजना के संबंध में विश्व बैंक की सकारात्मक प्रतिक्रिया के कारण, नगर निगम भी सकारात्मक प्रतिक्रिया देगा और विश्व बैंक का एक प्रतिनिधिमंडल शहर का दौरा करेगा। मनपा को एमआईडीसी से ऊँची दरों पर पानी खरीदना पड़ता है। वह हर साल 30 करोड़ रुपये का पानी का बिल चुकाता है। उसके बाद, पानी की कमी की समस्या 'जैसी की तैसी' बनी हुई है।

उल्हास नदी तल से पानी लेकर हनुमान टेकड़ी स्थित 7 हेक्टेयर भूमि पर बनने वाले जल शोधन केंद्र में लाया जाएगा। शहर की सबसे ऊँची पहाड़ी से गुरुत्वाकर्षण द्वारा पानी की आपूर्ति की जाएगी। परियोजना प्रबंधन सलाहकार माधव जावड़े ने बताया कि वर्ष 2055 की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए 190 एमएलडी की योजना बनाई गई है और अगले 30 वर्षों की योजना बनाई गई है।

बिजली बिल और खर्च कम होंगे

महानगरपालिका उल्हास नदी से पानी उठाकर उसे शुद्ध करके पानी की आपूर्ति करेगी। इससे उल्हासनगर महानगरपालिका के खजाने को बड़ी राहत मिलेगी और

उल्हासनगर के बगीचे की देखभाल महिला बचत गट को

उल्हासनगर. महानगर पालिका के बगीचे की देखभाल का काम अब महिला स्वयं सहायता समूहों को देने का निर्णय मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने लिया है।

शहर कांग्रेस ने मनपा आयुक्त से महिला स्वयं सहायता समूहों को काम देने की मांग की थी। इसी के तहत, पिछले पाँच वर्षों से महिलाओं को कर रसीदें बाँटने का काम दिया जा रहा है। अगले कदम के रूप में, मनपा आयुक्त ने उद्यान की देखभाल का काम महिला स्वयं सहायता समूहों को देने का निर्णय लिया। शुक्रवार को उपायुक्त विशाखा मोटघरे और उद्यान विभाग प्रमुख विशाखा सावंत ने पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों को बुलाकर एक बैठक की।

अंबरनाथ नपा कार्यालय पुलिस छावनी में तब्दील

- पहले दिन किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया
- मतदाता सूची से प्रशासन को 2 लाख 73 हजार मिले

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं. नपा कार्यालय में इच्छुकों की भारी भीड़ देखी जा रही है. कोई अप्रिय घटना ना हो इसके लिए नपा कार्यालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. अंबरनाथ, शिवाजी नगर के अलावा उल्हासनगर, विट्ठलवाड़ी, कल्याण का पुलिस बल बड़ी संख्या में तैनात कर दिया गया है. सहायक पुलिस आयुक्त काले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने सोमवार को नपा कार्यालय का दौरा कर जायजा लिया. नामांकन फार्म दाखिल करने का आज पहला दिन होने से भीड़ एकत्रित हो रही है. 9 नवंबर से प्रशासन ने अंतिम मतदाता सूची बेचने का कार्य शुरू किया है. 128

लोगों ने सोमवार को 29 प्रभाग की यादी को खरीदा. प्रशासन को 2 लाख 73 हजार रुपयों की आमदनी हुई है. सोमवार को दोपहर 12 बजे तक 27 लोगों ने यादी को खरीदा है. चुनाव यंत्रणा पूरी तरह चौकस है. सोमवार को किसी ने भी नामांकन दाखिल नहीं किया है. आनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू है. मतदाता सूची में घोटाला देखा गया है. एक प्रभाग के मतदाताओं का नाम दूसरे प्रभाग में डाल दिए जाने से लोग परेशान हैं. कुछ मतदाताओं के नाम के आगे स्थलांतरित का सिक्का लगाया गया है जबकि ये मतदाता स्थलांतरित नहीं हुए हैं. पति का नाम एक प्रभाग में तो पत्नी का नाम दूसरे प्रभाग में डालने की शिकायतें प्राप्त हुई है. 6 वर्षों के बाद स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव हो रहे हैं. इसलिए चुनाव में भाग लेने के लिए इच्छुकों में भारी जोश देखा जा रहा है.

जल संकट के मुद्दे पर नागरिक उग्र

उल्हासनगर. शहर के पूर्व में वसीटा कॉलोनी, शिवनगर, कादंबरी मेघदूत अपार्टमेंट, शिवनगर, मिलिंदनगर, शिवशक्ति कॉलोनी, रोमा अपार्टमेंट, महादेवनगर, संतोषनगर, बंजारा कॉलोनी आदि इलाकों में पानी की कमी हो गई है। इस संबंध में मनपा को पत्र लिखने के बावजूद पानी की कमी जारी रहने पर उद्धव सेना के जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने आंदोलन की चेतावनी दी है। मनपा जल आपूर्ति विभाग और आयुक्त को पानी की कमी के समाधान के लिए पत्र लिखने के बावजूद, पानी की आपूर्ति नियमित नहीं की गई है।

गाय चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

- तीन गिरफ्तार
- अंबरनाथ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अंबरनाथ। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो जानवरों को बेहोशी की दवा देकर उनकी चोरी करता था। महेंद्रनगर में हुई इस चौंकाने वाली चोरी के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

26 अक्टूबर की शाम, महेंद्रनगर के एक अस्तबल मालिक सचिन रामदुलार यादव अपनी दो गायों और एक बछड़े को हमेशा की

तरह पहाड़ों पर चरने के लिए छोड़ गए थे। भारी बारिश के कारण, वह रात में गायों को वापस नहीं ला सके। अगले दिन, जब उन्होंने गायों की तलाश की, तो पाया कि वे गायब हो गई थीं। यादव ने जब इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जाँच की, तो उन्होंने 27 अक्टूबर की सुबह 2.46 बजे एक चार पहिया वाहन से तीन अज्ञात व्यक्तियों को उतरते और गायों को नशीला इंजेक्शन लगाते और उन्हें वाहन में लादते हुए स्पष्ट रूप से देखा। इस घटना के बाद, उन्होंने अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया।

पुलिस जाँच दल ने कोनगाँव (भिवंडी) इलाके में छापा मारकर इम्तियाज़ इलियास शेख और अकबर जाबाज शेख को गिरफ्तार किया। उनके पास से चोरी में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई। आरोपियों ने चोरी की गायों को तारिक यासिम कुरैशी को बेचने की बात कबूल की। पुलिस ने मुंब्रा में छापा मारकर कुरैशी को भी गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई से मवेशी चोरी और बिक्री के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ। अंबरनाथ पुलिस इस मामले के अन्य आरोपियों साहिल नवीद शेख, अजहर और वसीम कुरैशी की तलाश कर रही है। पुलिस उप-निरीक्षक उमेश सावंत, शाहू कलादाते और अपराध जाँच दल के अधिकारी पाथवे, शेख, पाटिल, गुट्टे, राठौड़, दराडे, चव्हाण, कमलेश पाटिल ने इस संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया।

नगर पालिकाओं के लिए ऑनलाइन नामांकन

बदलापुर. राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के चुनावों के लिए सोमवार से आवेदन दाखिल किए जा सकते हैं। आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है। उम्मीदवार राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट mahasecelec.in पर जाकर आवेदन भर सकते हैं। यहाँ एक हलफनामा भी भरा जा सकता है। यह आवेदन प्रारंभिक पंजीकरण के बाद भरा जा सकता है। इन सभी आवेदनों की 18 नवंबर को जांच की जाएगी और 21 नवंबर तक आवेदन वापस लिए जा सकेंगे।

राज्य निर्वाचन आयोग ने 4 नवंबर को राज्य की 246 नगर

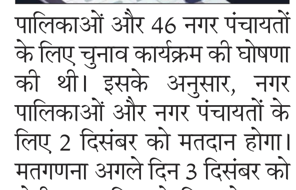

पालिकाओं और 46 नगर पंचायतों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसके अनुसार, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होगा। मतगणना अगले दिन 3 दिसंबर को होगी। इस प्रक्रिया के लिए सोमवार, 10 नवंबर से नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्र 17 नवंबर तक दाखिल किए जा सकेंगे। चुनाव आयोग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि उम्मीदवारी पत्र ऑनलाइन भरना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के 4 नवंबर के पत्र के अनुसार, 'इन चुनावों के लिए नामांकन पत्र स्वीकार करने की प्रक्रिया कंप्यूटर प्रणाली के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों को नामांकन पत्र और शपथ पत्र आसानी से भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए महाआईटी की सहायता से एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। सभी संभावित उम्मीदवारों को नामांकन पत्र और शपथ पत्र में दी गई जानकारी सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही भरनी होगी। उन्हें mahasecelec.in वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद, उन्हें नामांकन पत्र और शपथपत्र में जानकारी भरनी होगी। इसकी एक प्रति (प्रिंट) लें, उस पर हस्ताक्षर करें और निर्धारित समय और निर्धारित तरीके से चुनाव निर्णय अधिकारी को जमा करें। इस तरह से भरा और हस्ताक्षरित नामांकन पत्र आवेदन, नामांकन पत्र के रूप में स्वीकार किया जाएगा,' चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है। पार्षद और महापौर के लिए, इसी वेबसाइट पर जानकारी भरनी होगी। इसलिए, इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन भरते समय सभी जानकारी और दस्तावेज़ अपने पास रखने होंगे।

जागरूकता का अनोखा संदेश

उल्हासनगर. धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और हास्य के हल्के-फुल्के स्पर्श का अद्भुत संगम रचने वाली एक अनूठी पहल उल्हासनगर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। पर्यावरणविद् योगीराज देशमुख द्वारा उल्हास नदी के तट पर लगाया गया सीधा, तीखा और आँखें खोल देने वाला बिलबोर्ड नागरिकों के मन में हलचल मचा रहा है। नदी को अपनी माँ मानने वाली संस्कृति की प्रतिध्वनि करते हुए, 'आस्था, पर कचरा नहीं' का स्पष्ट संदेश देने वाला यह प्रयोग अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पूजा सामग्री, माला, नारियल और देवी-देवताओं की तस्वीरें नदी में डालने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। लेकिन इससे नदी का पानी प्रदूषित होता है, जैव विविधता को खतरा होता है और शहर के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। पर्यावरणविद् योगीराज देशमुख ने इस सच्चाई को हास्यपूर्ण लेकिन मार्मिक शब्दों में व्यक्त किया, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। नदी किनारे लगाए गए बोर्ड पर लिखे शब्द तो हैरान कर देते हैं, लेकिन उनके पीछे की सच्चाई तुरंत दिमाग़ में कौंध जाती है। पर्यावरणविदों ने भी इस पहल की खूब सराहना की है और कहा है कि इस तरह के प्रयासों से नदी की स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैल रही है।

बोर्ड पर यह संदेश है...

कृपया उल्हास नदी में आस्था के नाम पर धोखाधड़ी न करें और माला-फूल, कचरा और देवी-देवताओं की तस्वीरें न डालें, क्योंकि जीवनदायिनी नदी हमारी माँ है, इसका आंचल साफ़ रखें।

अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा के नेता एक दूसरे से युति की बात करने को तैयार नहीं

- दोनों ने ही अपनी-अपनी जीत का दावा किया

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा चुनाव में शिवसेना-भाजपा में युति नहीं होगी. हम पहले से ही ये लिखते आ रहे हैं. शहर में दोनों पक्ष ने अपने-अपने तौर पर नगराध्यक्ष एवं उम्मीदवारों के नामों की घोषणा शुरू कर दिया है. शिवसेना से नगराध्यक्ष के लिए मनिषा वालेकर, तो भाजपा की ओर से गुलाबराव पाटिल करंजुले की बहू तेजश्री करंजुले का नाम आ रहा है. दोनों ही पक्ष के नेता युति के लिए एक-दूसरे से बात करने को तैयार नहीं हैं. शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता ने भाजपा की निशानी कमल के फूल को कीचड़ में खिल रहा फूल कहा है तो भाजपा की ओर से सेना को ये उत्तर दिया गया है - विधानसभा में शिवसेना के नेताओं ने अपने पक्ष से गद्दारी की है. एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए जा रहे हैं. दोनों ही पक्ष द्वारा शहर में जगह-जगह सभा लेकर प्रचार का कार्य शुरू कर दिया गया है तो कई प्रभाग में अपने-अपने पक्ष के कार्यालय के उद्घाटन किए जा रहा हैं. शिवसेना की ओर से अरविंद वालेकर, मनिषा वालेकर तो भाजपा की ओर से अभिजीत करंजुले, तेजश्री करंजुले प्रभागों में जाकर उनको वोट देने का प्रचार कर रहे हैं. दोनों की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इस बार उनके ही पक्ष का नगराध्यक्ष बनेगा और उनके नगरसेवक ज्यादा चुनकर आएंगे. ये तो 2 दिसंबर को हो रहे चुनाव में पता चल जाएगा और 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजों पर ही मालूम पडेग़ा. दोनों पक्षों का एक-दूसरे के साथ युति ना करना कहीं दोनों को ही भारी ना पड़ जाए.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

अराजकता की हद

हरियाणा के हिसार में एक पुलिसकर्मी की हत्या कानून से बेखौफ और हिंसक होते माहौल की त्रासद हकीकत है। लोगों और खासतौर पर युवाओं के बीच सुनने, समझने एवं सोचने की प्रवृत्ति इस कदर कम देखी जा रही है कि उचित सलाह या मनाही के बाद उस पर विचार करने के बजाय वे तुरंत आक्रामक हो जाते हैं। लोग अपनी मनमानी के आगे दूसरों की मुश्किलों पर गौर करना जरूरी नहीं समझते। यह सामाजिक सरोकार में बड़ी गिरावट है, लेकिन इसकी एक वजह सरकार की वह नाकामी भी है, जिसमें कानून का खौफ हर जरूरी जगह पर नहीं दिखता।

अव्वल तो यह व्यक्ति की अपनी समझ होनी चाहिए कि उसकी गतिविधियों से किसी को परेशानी तो नहीं हो रही, लेकिन विडंबना यह है कि गलत करने पर रोकने या समझाने-बुझाने पर आजकल लोग इस कदर उग्र हो उठते हैं कि वे किसी की जान लेने से भी नहीं कतराते। हिसार में एक पुलिस उपनिरीक्षक ने सिर्फ इतना भर किया था कि उन्होंने घर के आगे हंगामा कर रहे लोगों को रोकने की कोशिश की थी। उनके डांटने पर युवक चले गए, लेकिन बाद में आकर उपनिरीक्षक पर ईंटों से हमला कर उनकी हत्या कर दी।

यह अफसोसनाक है कि आजकल गलत कार्यों पर टोकने भर से कुछ सामान्य उत्पाती जघन्य अपराध करने से भी नहीं हिचकते हैं। अनेक वजहों से सामाजिकता के कमजोर होते तंतु और सोचने-समझने की भटकती दिशा ने खासतौर पर बहुत सारे युवाओं को उत्तेजना और उन्माद को ही सच मानने की राह पर ला दिया है। इसके समांतर पुलिस और कानून-व्यवस्था का खौफ शायद ही कहीं दिखता है, ताकि युवाओं के बीच अपराध की ओर बढ़ते कदम रुक सकें।

ऐसी स्थिति में किसी भी वजह से एक जगह जमा हुए कुछ युवक न केवल दूसरे की सुविधाओं या परेशानियों को नजरअंदाज करते हैं, बल्कि अराजकता को अपना हक समझने लगते हैं। जब इसके परिणाम के तौर पर कोई जघन्य अपराध घटित हो जाता है, तब जाकर पुलिस और प्रशासन की नींद खुलती है, लेकिन यह महज जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने तक सीमित होकर रह जाती है। सवाल है कि लगातार चिंता पैदा करने वाली इस सूरत के लिए कौन जिम्मेदार है और इसका भुक्तभोगी आखिर कौन होगा!

बिहार : दशकों के अधूरे आश्वासनों करना होगा दूर

बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी गठबंधन राज्य को औद्योगिक केंद्र में बदलने का स्वप्न दिखा रहा है, तो विपक्षी महागठबंधन सामाजिक न्याय और आरक्षण के अपने आजमाए हुए मुद्दों को नई धार देता दिख रहा है। किंतु इसके बीच कुछ बुनियादी प्रश्न हैं, जो बिहार के आत्मा को कुरेद रहे हैं। क्या यह चुनाव केवल सत्ता के अंकगणित का एक और अध्याय बनकर रह जाएगा या यह उस गहरी खाई को पाटने का एक ईमानदार अवसर बनेगा, जो वादों और यथार्थ के बीच दशकों से चौड़ी होती जा रही है? यह केवल व्यक्तित्वों या गठबंधनों की प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि उस समाज के लिए सामूहिक आत्म-चिंतन का एक दुर्लभ क्षण है, जो अपनी गौरवशाली सभ्यतागत विरासत और अपनी वर्तमान वास्तविकता के बीच की असहनीय दूरी से जूझ रहा है।

आज बिहार की धरती प्रवासन, बेरोजगारी और अधूरी आकांक्षाओं का प्रतीक बन गई है। इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि कौन जीतेगा, बल्कि यह है कि क्या बिहार की राजनीति नवीनीकरण का एक शक्तिशाली साधन बन सकती है? बिहार की राजनीति में आज किसी भी दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती नए वादे गढ़ना नहीं, बल्कि उस गहरे अविश्वास और संदेह को दूर करना है, जो दशकों के अधूरे आश्वासनों से उपजा है। हर चुनावी चक्र 'अधूरी उम्मीदों की बढ़ती भावना' को ही मजबूत करता है।

संकट अब उम्मीद का नहीं, विश्वसनीयता का है, जहां नागरिक अब केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि

अपनी आंखों के सामने परिवर्तन का ठोस प्रमाण मांग रहे हैं। बिहार अपनी युवा पीढ़ी को लगातार विफल कर रहा है, जिससे एक ऐसा जनसांख्यिकीय संकट पैदा हो रहा है, जिसकी विशेषता चौंकाने वाली बेरोजगारी, मजबूरन प्रवासन और व्यवस्थागत निराशा है। राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है, लेकिन इससे भी भयावह यह है कि यहां के अधिकांश युवाओं ने काम खोजने की उम्मीद ही छोड़ दी है।

बेरोजगारी सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे युवाओं में है। स्नातकों के लिए यह 14.7 प्रतिशत और स्नातकोत्तर के लिए 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। पटना की सड़कों पर गूंजता नारा, 'करो तो सरकारी नौकरी, नहीं तो बेचो तरकारी' लाखों युवाओं के टूटे सपनों का प्रतीक बन गया है। इसी निराशा का सीधा परिणाम प्रवासन है।

जब राज्य में अवसर नहीं मिलते, तो लगभग लाखों बिहारी श्रमिक दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्थाओं को अपने खून-पसीने से सींचते हैं। बार-बार होने वाले परीक्षा पेपर लीक जैसी व्यवस्थागत विफलताएं युवाओं की आकांक्षाओं पर प्रणालीगत हिंसा के समान हैं। जो भूमि कभी नालंदा और विक्रमशिला जैसे ज्ञान के वैश्विक केंद्रों का घर थी, वह आज अपने बच्चों को मूलभूत शिक्षा प्रदान करने में भी विफल हो रही है, जिससे गरीबी और प्रवासन का एक अंतहीन चक्र बना हुआ है।

गणतंत्र के शुरुआती दिनों में जहां देश के विश्वविद्यालय नामांकन में बिहार का लगभग दसवां हिस्सा था, वहीं आज यह तीन प्रतिशत से भी कम रह गया है। स्कूल मौजूद हैं, शिक्षक नियुक्त हैं, पाठ्यक्रम छपे हुए हैं, लेकिन सीखने-सिखाने की जवाबदेही नदारद है। जिनके पास साधन हैं, वे अपने बच्चों को राज्य से बाहर भेजकर इस व्यवस्था से बच निकलते हैं, जबकि गरीब एक ऐसी प्रणाली में फंस गए हैं, जो ऊपर उठने का कोई वास्तविक रास्ता नहीं दिखाती है।

जब तक ज्ञान की नींव ही कमजोर हो, तब तक कौशल विकास और उद्योगीकरण की बातें बेमानी लगती हैं। किसी भी सरकार के लिए सार्वजनिक शिक्षा का पुनर्निर्माण सबसे परिवर्तनकारी कार्य हो सकता है, फिर भी यह राजनीतिक घोषणापत्रों में प्राथमिकता की दृष्टि से एकदम निचले पायदान पर है।

वर्ष 2016 में लागू की गई शराबबंदी आज इस बात का उदाहरण बन गई है कि कैसे नेक इरादों वाली नीतियां जब खराब तरीके से डिजाइन और लागू की जाती हैं, तो प्रशासनिक आपदाओं में बदल सकती हैं। शराब खत्म होने के बजाय इस प्रतिबंध ने एक समानांतर अवैध अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है, जिसने शराब तस्करों, पुलिस और राजनेताओं के एक नए गठजोड़ का जाल बुना है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रभु हमारे सच्चे साथी हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

800 से अधिक उड़ानों में हुआ विलंब

प्रौद्योगिकी के इस दौर में आज अधिकतर कार्य तकनीक के जरिए होने लगे हैं। घरों की साफ-सफाई से लेकर दफ्तर के कार्यों में मशीनों की मदद ली जा रही है। यानी हम तकनीक पर इतने ज्यादा निर्भर हो गए हैं कि उसमें जरा-सी खराबी आने पर सारी व्यवस्था ठप पड़ जाती है। इसमें दोराय नहीं कि तकनीक का इस्तेमाल आज के समय की जरूरत है, लेकिन सुरक्षात्मक और वैकल्पिक उपायों का होना भी बेहद जरूरी है, नहीं तो दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को जो स्थिति उत्पन्न हुई, उस तरह का संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

गौरतलब है कि तकनीकी खामी के कारण यहां आठ सौ से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में विलंब हुआ और कुछ उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी हुई। प्रभावित उड़ानों में आगमन और प्रस्थान दोनों शामिल थीं। शुरू में इसे साइबर हमले से जोड़कर देखा जा रहा था, मगर बाद में सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि 'आटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी गड़बड़ी की वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई। सवाल है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए हवाई अड्डे पर पहले से माकूल वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई

थी? दरअसल, एएमएसएस वह प्रणाली है, जिससे हवाई यातायात नियंत्रित होता है। इसमें किसी भी तरह की तकनीकी खराबी आने से उड़ानों की आवाजाही प्रभावित होना तय है। इससे न केवल विमान यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है, बल्कि हवा में उड़ रहे विमानों के लिए भी जोखिम की स्थिति पैदा हो सकती है। दिल्ली हवाई अड्डे पर इस तकनीकी खामी के कारण विमानों की उड़ान में पचास मिनट से एक घंटे तक की देरी हुई। इस कारण बोर्डिंग गेट के पास यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं।

हवाई अड्डे पर यात्रियों को उनकी उड़ान के पुनर्निधारित समय की सूचना देने की उचित व्यवस्था का अभाव भी साफ नजर आया। सवाल है कि ऐसी स्थिति में यात्री परेशान न हों या अफरा-तफरी का माहौल पैदा न हो, इसके लिए पर्याप्त इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती है? संचालन का कार्य संभालने वाली कंपनी की क्या यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती व्यवस्थागत इंतजाम करने को प्राथमिकता दे।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। यह तथ्य भी सामने आया है कि इस हवाई अड्डे पर दो दिनों से हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर तकनीकी समस्याएं आ रही थीं और शुक्रवार सुबह यह प्रणाली लगभग ठप पड़ गई। यानी संबंधित अधिकारियों को इसका पहले से अंदेशा था कि इस प्रणाली में ज्यादा तकनीकी अड़चन आ सकती है। इसके बावजूद न तो इस खामी को समय पर दुरुस्त किया जा सका और न ही वैकल्पिक उपायों को चुस्त-दुरुस्त किया गया।

तकनीकी खराबी के बाद हवाई यातायात नियंत्रक उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर गैर कंप्यूटरीकृत तरीके से काम कर रहे थे, जिसमें समय लगने के कारण उड़ानों में देरी हुई और यह सिलसिला पंद्रह घंटे से अधिक समय तक चलता रहा। जाहिर है, इस अव्यवस्था की हर कोण से जांच कराने की जरूरत है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस घटना से सबक लेकर खासतौर पर तकनीकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर हर स्तर पर सतर्कता बरती जाएगी, ताकि भविष्य में यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

जमीन पर नहीं, पानी में करती है छुक-छुक

सोशल मीडिया पर एक अनोखा वीडियो वायरल हो रहा है जो जर्मनी से डेनमार्क जाने वाली बर्ड फ्लाइट लाइन ट्रेन का है. इस

जरा हट के

वीडियो में पूरी ट्रेन समुद्र पर तैरती हुई दिख रही है, जैसे पानी पर दौड़ रही हो. दरअसल, यह दुनिया की आखिरी पैसेंजर ट्रेन फेरी सर्विस है जो पुटगार्डन (जर्मनी) से रोदबी (डेनमार्क) तक 19 किलोमीटर बाल्टिक सागर पार करती है.

यह ट्रेन प्लेटफॉर्म से निकलकर सीधे विशाल फेरी के अंदर घुस जाती है, फिर फेरी इंजन स्टार्ट करके समुद्र में चल पड़ती है. ट्रेन पानी पर तैरती लगती है, यात्री उतरकर डेक पर घूमते हैं, समुद्र की लहरें देखते हैं और फोटो खींचते हैं. यह वोगेलफ्लुगलिनी (बर्ड फ्लाइट लाइन) 1963 से चल रही है, नाम इसलिए पड़ा क्योंकि यह पक्षियों की तरह सबसे सीधा और छोटा रूट है हैम्बर्ग से कोपेनहेगन तक के लिए. इस

सफर का रोमांच ऐसा है कि इससे यात्रा करने वाले लोगों को भी यकीन नहीं होता है कि वो ट्रेन का सफर पानी के ऊपर कर रहे हैं. इस ट्रेन की डिटेल्स जानकर आप हैरान हो जाएंगए. यह स्कैंडलाइंस कंपनी की फेरी है जो हर 30 मिनट में चलती है. ट्रेन फेरी के निचले डेक पर चढ़ती है, ऊपर कारें और ट्रक लोड होते हैं. यात्रा में सिर्फ 45 मिनट लगते हैं, लेकिन अनुभव लाइफटाइम का होता है. यात्री ट्रेन से उतरकर फेरी पर रेस्तरां में खाना खाते हैं, शॉपिंग करते हैं या डेक पर खड़े होकर डॉल्फिन देखते हैं. देखने से ऐसा लगता है जैसे ट्रेन पानी पर उड़ रही है. इस ट्रेन का वीडियो यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल हो गया, जहां इसे लाखों शेयर्स और कमेंट्स मिले. यह लाइन 1920 से प्लान हो रही थी, लेकिन 1963 में पूरी हुई. पहले ग्रोसनब्रोदे से गेडसर फेरी थी, लेकिन फेहमर्न आइलैंड ब्रिज बनने के बाद पुटगार्डन-रोदबी रूट शुरू हुआ. DSB (डेनिश रेलवे) और DB (जर्मन रेलवे) की IC3 या ICE ट्रेनें इस्तेमाल होती थीं. फेरी पर ट्रेन लोडिंग देखना अपने आप में स्पेक्टेकल है, ट्रेन धीरे-धीरे फेरी में घुसती है, दरवाजे बंद होते हैं और समुद्र यात्रा शुरू हो जाती है. 2019 तक रोज 5 यूरोसिटी ट्रेनें चलती थीं, लेकिन अब ज्यादातर रूट जुटलैंड होकर जाती है.

ट्राई करें खट्टी-मीठी दाल

भारतीय खानपान में दाल को खूब खाया जाता है। आमतौर पर इसे नमकीन या चटपटा बनाकर ही खाते हैं, लेकिन कई बार एक-सी दाल खा-खाकर मन भी ऊब जाता है। आइए आज आपको बताते हैं खट्टी-मीठी दाल बनाने की एक आसान रेसिपी, जो आपके मुंह का स्वाद एकदम बदल कर रख देगी।

सामग्री :

- अरहर दाल- 1/2 कप
- मूंग दाल (बिना छिलके वाली)- 1/2 कप
- प्याज- 1
- इमली गूदा- 2 टेबलस्पून
- चीनी- 1 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर-1/2 टी स्पून
- हल्दी- 1/2 टी स्पून
- राई-1 टी स्पून
- हींग- 1 चुटकी
- हरी मिर्च- 2
- कढ़ी पत्ते- 7-8
- हरी धनिया- 2 टेबलस्पून
- गरम मसाला- 1/2 टी स्पून
- तेल- 2 टेबलस्पून
- नमक- स्वादानुसार

विधि :

खट्टी-मीठी दाल बनाने के लिए सबसे पहले अरहर (तूअर) दाल और धुली हुई मूंग दाल को अच्छे से धोकर साफ कर लें। इसके बाद एक कुकर में अरहर, मूंग दाल, पानी, हल्दी, स्वादानुसार नमक, चीनी और इमली का गूदा डालें। अब इसे तेज आंच पर करीब 3-4 सीटी लगाकर पका लें। फिर गैस बंद करके प्रेशर को अपने आप रिलीज होने के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक कढ़ाई में तेल डालें और मीडियम आंच पर गर्म करें। फिर इस गर्म तेल में राई डालकर

चटकाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटी हरी मिर्च और हींग डालें। फिर इसमें प्याज डालें और सुनहरा होने तक भून लें। इसके बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला डालें। अब इसमें और पानी के साथ उबली दाल डालकर मिलाएं। इसके बाद इसे ढककर करीब 10 मिनट तक धीमी आंच पर बीच-बीच में चलाते हुए पकाएं। बस तैयार है आपकी स्वादिष्ट खट्टी-मीठी दाल। इसे बारीक कटे हरे धनिये से गार्निश करके गर्मागर्म रोटी, पराठे या चावल के साथ परोसें।

ड्राईनेस से छुटकारा दिलाएंगे 4 एलोवेरा फेस मास्क

स्किन बनेगी ग्लोइंग

सर्दियों का मौसम अपने साथ कोहरे, सर्द हवाओं और ठंडक का एहसास तो लाता है, लेकिन यह हमारी त्वचा के लिए कई समस्याएं भी साथ लेकर आता है। ठंड के कारण हवा में नमी की कमी हो जाती है, जिससे हमारी त्वचा रूखी, बेजान और टाइट महसूस होने लगती है।

चेहरे की त्वचा ठंड से सबसे ज्यादा प्रभावित होती है, क्योंकि यह सीधे ठंडी हवा के संपर्क में आती है। ऐसे में त्वचा में खिंचाव, फ्लेकिंग और यहां तक कि खुजली की समस्या भी हो सकती है। लेकिन इन परेशानियों से बचने का आसान तरीका है एलोवेरा फेस मास्क। आइए जानते हैं ऐसे ही असरदार एलोवेरा फेस मास्क के बारे में, जो आपको सर्दियों में भी त्वचा को हाइड्रेटेड, मुलायम और

चमकदार बनाए रखेंगे।

मलाई और शहद के साथ एलोवेरा का हाइड्रेटिंग मास्क

यह मास्क सर्दियों में ड्राई स्किन के लिए रामबाण का काम करता है। मलाई प्राकृतिक रूप से त्वचा में नमी बनाए रखती है और शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट है, यानी यह हवा से नमी खींचकर त्वचा तक पहुंचाता है।

सामग्री-

- 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल
- 1 चम्मच मलाई
- 1 चम्मच कच्चा शहद

बनाने का तरीका-

सभी सामग्रियों को अच्छी तरह मिलाकर एक पेस्ट बना लें। इस मास्क को साफ त्वचा पर अच्छी तरह लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते में दो बार इस मास्क का इस्तेमाल करने से त्वचा में कसावट और नमी वापस लौटती है।

दही और शहद के साथ एलोवेरा का सूदिंग मास्क

दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को हटाता है और त्वचा को मुलायम बनाता है। यह मास्क न सिर्फ ड्राईनेस दूर करता है, बल्कि त्वचा पर पड़े धब्बों को भी हल्का करने में मददगार है।

सामग्री-

- 2 चम्मच एलोवेरा जेल
- 1 चम्मच दही
- ½ चम्मच शहद

बनाने का तरीका-

तीनों चीजों को मिलाकर चिकना पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 15 मिनट बाद हल्के हाथों से मसाज करते हुए ठंडे पानी से धो लें। इससे त्वचा के डेड सेल्स निकल जाएंगे और त्वचा हाइड्रेट होगी।

केसर और बादाम तेल के साथ एलोवेरा

अगर आपकी त्वचा बेहद ज्यादा रूखी और डैमेज्ड है, तो यह मास्क आपके लिए परफेक्ट है। केसर त्वचा में नई चमक और ग्लो लाता है, जबकि बादाम का तेल त्वचा को अंदर से पोषण देकर उसे मुलायम बनाता है।

सामग्री-

- 2 चम्मच एलोवेरा जेल
- 4-5 केसर के धागे
- ½ चम्मच बादाम का तेल

बनाने का तरीका-

एलोवेरा जेल में भीगी हुई केसर और बादाम के तेल को मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। इस मास्क को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट तक लगा रहने दें। फिर धो लें।

आज का राशिफल

मेष : नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूँजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

कर्क : क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं। परिवार में कलह-कलेश का माहौल रह सकता है।

सिंह : नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या : मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अभिष्ट कार्य की सिद्धि के योग हैं। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

तुला : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें।

वृश्चिक : वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है।

धनु : कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें।

मकर : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुंभ : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है। भाइयों की मदद मिलेगी। संपत्ति के लेनदेन में सावधानी रखें।

मीन : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ के योग हैं। स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भेंट होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ठंड ने रोक दी है पौधों की ग्रोथ?

अपनाएं दादी-नानी के जमाने के 'देसी जादुई नुस्खे'

सर्दियों का मौसम जहां हमारी त्वचा और सेहत पर असर डालता है वहीं पौधों की ग्रोथ भी इस मौसम में धीमी पड़ जाती है. लेकिन सही खाद और उर्वरक के इस्तेमाल से आप अपने गार्डन को हरियाली से भर सकते हैं. पर दुकानों में मिलने वाली महंगी खाद से होम मेड खाद सर्दियों में बेस्ट साबित होती है.

सर्दियों में पौधों की ग्रोथ बनाए रखने के लिए वर्मीकम्पोस्ट सबसे उपयोगी खाद है. इसे फूलों, फलों और सब्जियों वाले पौधों में डालने से मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है और पौधों को भरपूर पोषण मिलता है. यह मिट्टी रहित माध्यम जैसे कोकोपीट में भी बेहतरीन काम करती है.

आरएचईओ मीनाक्षी वर्मा ने बताया की एप्सम साल्ट सर्दियों में पौधों के लिए अत्यंत लाभकारी उर्वरक है. यह मैग्नीशियम और सल्फर प्रदान कर पौधों की झाड़ियां घनी करता है और पत्तियों में क्लोरोफिल उत्पादन बढ़ाता है. इसका प्रयोग महीने में 1-2 बार

करना सबसे उत्तम होता है.

यदि आपके गार्डन के पौधे फूल या फल नहीं दे रहे हैं तो मस्टर्ड केक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें. यह पौधों को रोगों और कीटों से बचाने के साथ उनकी ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाता है. यह जैविक और पौधों के लिए पूरी तरह सुरक्षित फर्टिलाइजर है.

सर्दियों में पौधों की ग्रोथ के लिए लकड़ी की राख एक बेहतरीन प्राकृतिक खाद है. इसमें पोटेशियम, फॉस्फोरस और कैल्शियम जैसे तत्व पाए जाते हैं जो पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं. साथ ही यह मिट्टी के पीएच स्तर को भी नियंत्रित रखती है.

सर्दियों में केला खाने के बाद उसके छिलके को फेंकें नहीं. इससे बनी जैविक खाद पौधों के लिए बेहद उपयोगी है. छिलकों को पानी में कुछ दिनों तक भिगोकर रखें और फिर उस पानी को पौधों में डालें. यह प्राकृतिक फर्टिलाइजर ग्रोथ और फ्लावरिंग दोनों को बढ़ाता है.

लकड़ी की राख या वर्मीकम्पोस्ट को मिट्टी के ऊपर हल्के से फैलाकर टॉप ड्रेसिंग करें. यह तरीका पौधों को तुरंत पोषण देता है और मिट्टी को हवादार बनाए रखता है. ध्यान रखें कि राख का उपयोग सीमित मात्रा में ही करें ताकि पौधे पर असर न पड़े.

अगर आप सर्दियों में भी अपने गार्डन को हरा भरा रखना चाहते हैं तो वर्मीकम्पोस्ट, एप्सम साल्ट, राख और केले के छिलकों से बनी खाद का संतुलित उपयोग करें. नियमित पानी और धूप देने से पौधे स्वस्थ रहेंगे और पूरे मौसम में खिलते रहेंगे.

नहाने के पानी में मिला दें फिटकरी

स्किन के दाग-धब्बे हो जाएंगे दूर

सर्दियों या गर्मियों, हर मौसम में स्किन की देखभाल जरूरी होती है. कई बार चेहरा या शरीर पर दाग-धब्बे, पसीने की बदबू, रैशेज या इन्फेक्शन जैसी समस्याएं हमें परेशान करती हैं. ऐसे में नहाने के पानी में सिर्फ एक साधारण चीज मिलाने से आपकी स्किन चमकदार और हेल्दी हो सकती है और वह चीज है फिटकरी (Alum). फिटकरी को आयुर्वेद में लंबे समय से त्वचा की सफाई और एंटीसेप्टिक गुणों के लिए जाना जाता है. इसका नियमित इस्तेमाल न केवल स्किन के दाग-धब्बों को कम करता है, बल्कि शरीर को अंदर से डिटॉक्स भी करता है.

फिटकरी में मौजूद प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण त्वचा की सतह पर जमे बैक्टीरिया को खत्म करते हैं.यही बैक्टीरिया दाग-धब्बे, पिंपल्स या बदबू का कारण बनते हैं.जब आप फिटकरी का पानी नहाने में इस्तेमाल करते हैं, तो यह स्किन की गहराई तक जाकर रोमछिद्रों (pores) को साफ करता है और स्किन टोन को बराबर करता है.साथ ही, यह टैनिंग और डलनेस को कम कर स्किन को नेचुरल ग्लो देता है.फिटकरी में मौजूद कसैले तत्व स्किन को टाइट करते हैं, जिससे ढीली त्वचा धीरे-धीरे टाइट और यंग दिखने लगती है.

फिटकरी का इस्तेमाल कैसे करें?

नहाने के पानी में फिटकरी का इस्तेमाल करना बहुत आसान है. सबसे पहले एक बाल्टी गर्म या गुनगुने पानी में फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा डालें. इसे 5–10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें ताकि फिटकरी पूरी तरह पानी में घुल जाए.इसके बाद इस पानी से नहाएं. ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा फिटकरी न डालें, वरना स्किन ड्राई हो सकती है.अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है तो पहले एक पैच टेस्ट जरूर करें. आप चाहें तो फिटकरी के पानी से केवल आखिरी रिंस भी कर सकते हैं यानी नहाने के बाद शरीर पर इसे डालें और कुछ देर बाद हल्के हाथ से तौलिए से पोछ लें. फिटकरी का पानी स्किन के दाग-धब्बों को तो कम करता ही है, साथ ही यह पसीने की बदबू को भी खत्म करता है.अगर आपको बहुत ज्यादा पसीना आता है या शरीर में गंध की समस्या है, तो फिटकरी वाला स्नान आपके लिए वरदान साबित हो सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बीएचयू में MDS जूनियर रेजिडेंटों की पिटाई, नकाबपोश बदमाशों ने किया हमला

वाराणसी. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में रविवार की रात उस समय हड़कंप मच गया। जब बिरला हॉस्टल के सामने कुछ नकाबपोश युवकों ने एमडीएस (मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी) के जूनियर रेजिडेंटों पर हमला कर दिया। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब सुश्रुत हॉस्टल के कुछ छात्र दो छात्राओं के साथ टहलने निकले थे। तभी अचानक छह नकाबपोश बदमाश आए और बिना किसी बहस के छात्रों की पिटाई शुरू कर दी। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बीएचयू के अन्य छात्र मौके पर जुट गए और आक्रोश जताने लगे। सूचना मिलने पर डिप्टी प्रॉक्टर डॉ. संतोष सिंह मौके पर पहुंचे और घायल छात्रों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि 'फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर अचानक होने लगी नोटों की बारिश, मच गई लूट; थार पर चढ़े 4 बारातियों पर केस

बुलंदशहर. उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सड़क पर अचानक नोटों की बारिश होने लगी। उस समय सड़क पर जा रहे राहगीरों के बीच रुपये लूटने की होड़ मच गई। ऐसा लग रहा कि मानो आसमान से नोट बरस रहे हों। लोगों ने बरसते नोटों के स्रोत की तरफ देखा तो थार की छत पर चढ़े शादी में आए कुछ रईसजादे नोट बरसाते दिखे। इन रईसजादों की इस हरकत के चलते शिकारपुर रोड पर जाम के हालात बन गए। पहासू की सड़कों पर जाम के बीच रुपये लूटने की होड़ दिखाई पड़ी। पुलिस ने इस मामले में ऐक्शन लिया है। वायरल वीडियो के बारे में थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो की जांच करने के बाद अज़मी, जुबेर, राजू खां और एक अज्ञात समेत चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिस थार गाड़ी की छत पर चढ़कर नोटों की बारिश की गई उसे भी सीज कर दिया गया है।

गेस्ट हाउस में प्रेमिका का गला दबाकर खुद लगाई फांसी, अचानक टूट गई रस्सी

वाराणसी. यूपी के वाराणसी में प्रेमी ने नीट की तैयारी कर रही प्रेमिका को कमरा बुक कर गेस्ट हाउस में बुलाया। यहां किसी बात पर उससे विवाद हुआ तो पहले गला दबाया और तकिया से मुंह दबा दिया। उसे मरा समझकर खुद भी फांसी पर लटका लेकिन रस्सी टूटने से बच गया। इसके बाद लखनऊ भाग गया और वहां जाकर पुलिस को प्रेमिका की हत्या की जानकारी दी। लखनऊ पुलिस से मिली सूचना पर वाराणसी की पुलिस गेस्ट हाउस पहुंची तो प्रेमिका की सांसें भी चल रही थीं। मामला बीएचयू के पास मलहिया (लंका) की मारुति नगर कॉलोनी स्थित रामत्व ड्रीम विला गेस्ट हाउस में हुआ है। प्रेमिका को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। अभी उसे होश नहीं आया है। रात में युवती के परिजन भी ट्रामा सेंटर पहुंच गए थे। इलाज के बाद पुलिस में शिकायत करने की बात कही। आरोपी युवक दुद्धी में मोबाइल की दुकान चलाता है।

नया आधार एप लॉन्च

- QR से डीटेल्स शेयर कर सकेंगे
- फिजिकल कार्ड की जरूरत नहीं
- 5 फैमिली मेंबर के आधार रख सकेंगे

नई दिल्ली. यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी UIDAI ने आधार कार्ड को डिजिटल तरीके से मैनेज करने के लिए नया मोबाइल एप लॉन्च किया है। इस एप के जरिए अब आप अपना आधार हमेशा फोन में कैरी कर सकेंगे। पुराने एम-आधार एप से अलग, इसने वेरिफिकेशन को UPI पेमेंट जितना आसान बना दिया है। इसके जरिए एक ही फोन में आप 5 आधार प्रोफाइल स्टोर कर सकते हैं।यह एप एंड्रॉयड और आईओएस यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

नया एप कैसे डाउनलोड और यूज करें

- नया एप प्ले स्टोर और एप स्टोर पर अवेलेबल है। वहीं सभी यूजर्स को नए एप के लिए नोटिफिकेशन मिलेगा। पुराने एप यूजर्स को ऑटोमैटिक अपडेट का ऑप्शन आएगा। भविष्य में और फीचर्स जैसे आधार लिंक्ड पेमेंट या सर्विसेस ऐड हो सकती हैं।
- प्ले स्टोर या एप स्टोर पर 'Aadhaar New App' या UIDAI ऑफिशियल सर्च करें।
- आधार नंबर और ओटीपी से रजिस्टर करें।
- फेस स्कैन सेटअप करें।
- आधार डाउनलोड और शेयर करें।

नए एप के फीचर्स

फोन में आधार कैरी करें: ई-आधार हमेशा साथ रहेगा, पेपर कॉपी की जरूरत नहीं होगी।
फेस स्कैन शेयरिंग: ID शेयर करने के लिए फेस स्कैन करना होगा, पिन-OTP की तरह सेफ।
सिक्योर लॉगिन: बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से एप ओपन होगा।
मल्टी लैंग्वेज सपोर्ट: हिंदी, इंग्लिश सहित कई भाषाओं में अवेलेबल।
ऑफलाइन यूज: इंटरनेट नहीं होने पर भी आधार देख सकेंगे।

पुराने आधार एप पहले से था, फिर नया क्यों लाया गया?

अभी तक एम आधार एप का इस्तेमाल होता था। ये डिटेल्स चेक करने, डिजिटल आधार कार्ड डाउनलोड करने और PVC कार्ड मंगाने पर फोकस करता था। वहीं नए एप में यूजर्स अपनी आधार की जानकारी को सेफ रखकर स्कैन कर शेयर कर पाएंगे।
PDF डाउनलोड या PVC कार्ड के लिए अभी भी mAadhaar यूज करें।
वर्चुअल ID जेनरेट या कुछ अपडेट्स के लिए UIDAI पोर्टल या mAadhaar ही बेहतर।
नया एप प्राइवेसी-फर्स्ट है, जहां सिलेक्टिव डिस्क्लोजर से सिर्फ जरूरी इंफो शेयर होती है।

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका

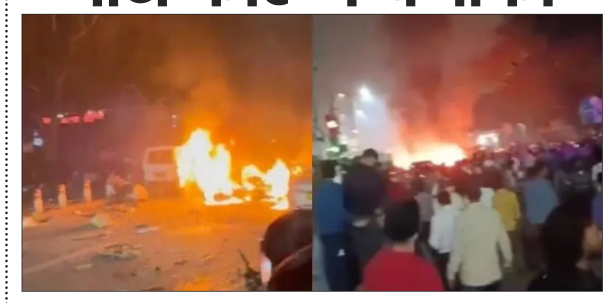

- एक की मौत,
- 3 गाड़ियां जलीं;
- ब्लास्ट की वजह साफ नहीं

नई दिल्ली. दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार को पार्किंग में खड़ी एक कार में अचानक धमाका हो गया। धमाके के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी तीन और गाड़ियां भी जल गईं।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमाके के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर मौजूद है। आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

पटना में छत गिरी, परिवार के 5 लोगों की मौत

- पति-पत्नी, 3 बच्चों की मलबे में दबने से जान गई
- इंदिरा आवास योजना से बना था घर

पटना. पटना से सटे दानापुर में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना रविवार देर रात की मानस नया पानापुर गांव की है। यह गांव सारण और पटना की सीमा से सटे दियारा क्षेत्र में है।

मकान की छत गिरने से मोहम्मद बबलू (35), उनकी पत्नी रोशन खातून(30), उनकी बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) और बेटी चांदनी(2) की मौत हो गई है।

घर पर पूरा मलबा बिखरा पड़ा है। ईंट, टूटी दीवारों के नीचे बच्चे का स्कूल बैग और कुछ कपड़े, पंखा दबा दिख रहा है।

कुछ ईंटों पर खून भी लगा है। पास ही कड़ाही, गैस चूल्हा और किचन के दूसरे बर्तन दबे पड़े हैं।

हादसे पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक जताया है। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी के शव को एंबुलेंस से दियारा के मानस गांव भेजा गया है।

वंदे मातरम मुसलमानों के लिए जायज नहीं : महमूद मदनी

नई दिल्ली. राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना को डेढ़ सौ वर्ष पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वंदे मातरम गीत को पूरा का पूरा प्रस्तुत किया जाए और उसके जिन अंशों को पूर्व में हटाया गया था, उन्हें भी उसमें शामिल किया जाए लेकिन प्रधानमंत्री की ये बातें देश के मुस्लिम जनप्रतिनिधियों और उलेमाओं को बहुत अखर रही हैं। वह इस पर खुली आपत्ति भी जता रहे हैं। पूर्व में कई जनप्रतिनिधि मोहम्मद आजम खां, शफीकुर रहमान वर्क और पूर्व केंद्रीय मंत्री रशीद मसूद संसद में भी इसके गायन को लेकर अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं। अब फिर से यह मामला सुर्खियों में आ गया है।

अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है

मदनी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है और अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की आजादी देता है। ऐसी हालत में मुस्लिमों को पूरे वंदे मातरम गीत को गाने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय भी इस संबंध में अपना फैसला दे चुका है।

PM मोदी ने क्या कहा?

मौलाना महमूद मदनी ने बताया कि 26 अक्टूबर 1937 को गुरूदेव रविंद्र टैगोर ने पंडित जवाहर लाल नेहरू को लिखे पत्र में उनसे अनुरोध किया था कि वंदे मातरम गीत की पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया जाए। उसके तीन दिन बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने टैगोर की सलाह को अपनी मान्यता दे दी थी तभी से यह सिलसिला बदस्तूर जारी है।

दूसरे की देवी देवताओं की इबादत नहीं

इस बीच, पूर्व सांसद दारूल उलूम की मजलिस-ए-शूरा के सदस्य एवं जमीयत उलमाए हिंद के एक गुट के हाल ही में फिर से चुने गए अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने यूनीवार्ता से बातचीत में मुसलमानों की आपत्ति के बारे में दो टूक कहा कि वंदे मातरम गीत में कुछ पंक्तियां ऐसी है। जिसमें मातृभूमि को देवी दुर्गा के रूप में पेश कर उसकी पूजा वंदना के शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों ईश्वर एक है, इस विश्वास को मानने वाले हैं और उसी की इबादत करते हैं। इसलिए दूसरे की देवी देवताओं की इबादत करना उनके मजहबी विश्वास के खिलाफ है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 360kg विस्फोटक जब्त किया

- 2 डॉक्टरों समेत 7 गिरफ्तार,
- 2 राइफल-2 पिस्टल भी बरामद
- दो आतंकी संगठनों से जुड़े तार

फरीदाबाद. हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक (संदिग्ध अमोनियम नाइट्रेट) बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। यहां जम्मू-कश्मीर पुलिस ने छापा मारा था।

गिरफ्तार डॉक्टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। इससे पहले 7 नवंबर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर (यूपी) से डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया था। यह अनंतनाग (कश्मीर) का रहने वाला है। आदिल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) में प्रैक्टिस करता था। 2024 में इसने वहां से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह सहारनपुर में प्रैक्टिस करने लगा।

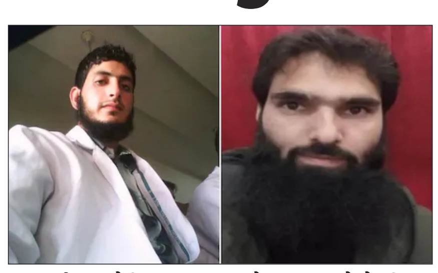

जानकारी के मुताबिक, डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद के धौज गांव में 3 महीने पहले किराए पर कमरा लिया था। वह यहां रहता नहीं था, केवल सामान रखने के लिए कमरा लिया था।

फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से हरियाणा और J&K पुलिस का एक जॉइंट ऑपरेशन जारी था। वह अब भी चल रहा है। इसके अंतर्गत एंटी टेरर मॉड्यूल पर काम करते हुए दोनों राज्यों की पुलिस ने फरीदाबाद से एक एक्टिविस्ट को पकड़ा था, जिसका नाम डॉक्टर मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था।

इसके बाद रविवार (9 नवंबर) को उसके कमरे में रेड की गई, जिसमें करीब 360 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। वह अमोनियम नाइट्रेट हो सकता है। बरामद विस्फोटक RDX नहीं है।

मैसूर में 8वीं के छात्र के गुप्तांग पर साथियों ने मारी लात

कर्नाटक के मैसूर के एक स्कूल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक आठवीं कक्षा के छात्र की उसके साथियों ने स्कूल में जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं उसे गुप्तांग पर भी लातें मारी गई, गंभीर रूप से घायल होने के बाद जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टर ने सर्जरी की जरूरत बताई। इसके बाद पीड़ित लड़के के परिवार ने तीनों सहपाठियों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट के GPS से छेड़छाड़

- पायलट को रनवे पर खेत दिखे थे
- आसमान में प्लेन के बीच दूरी बढ़ाकर हादसे टाले

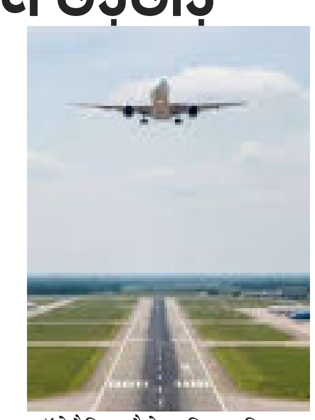

नई दिल्ली. दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले 800 से ज्यादा उड़ानें बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक की जांच और एक्सपर्ट्स से मिली जानकारी में सामने आया है कि GPS यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की साजिश की गई थी।

जानकारी के अनुसार, 6 से 7 नवंबर शाम लगभग 7 बजे के बीच पायलट्स को GPS से फेक सिग्नल मिल रहे थे। इससे कॉकपिट स्क्रीन पर विमान की पोजिशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी।

इस दौरान रनवे के बजाय खेत दिखने लगे और विमान की ऊंचाई को लेकर भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फिर विमानों के पायलट GPS बेस्ड ऑटो मैसेजिंग की बजाय मैनुअल पोजिशन पर शिफ्ट हो गए।

7 नवंबर को IGI पर ATC के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं, जबकि 20 को रद्द करना पड़ा। एयरपोर्ट का ऑपरेशन 48 घंटे के बाद नॉर्मल हुआ।

ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम पर भी असर पड़ा

GPS में छेड़छाड़ की वजह से ATS (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को भी देरी से मैसेज मिलने लगे। ऐसे में विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराने की जगह जयपुर और आसपास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

योगी बोले- जिन्ना पैदा न होने पाए, दफन कर देना

- यूपी के स्कूलों में रोज वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा

गोरखपुर. सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर में एकता यात्रा निकाली। वह 2 किमी पैदल चले। योगी ने कहा- हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। अगर जिन्ना पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना।

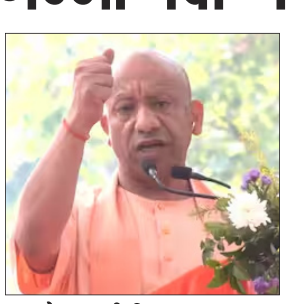

सीएम ने वंदे मातरम को लेकर बड़ा ऐलान भी किया। कहा- अब प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' का नियमित और अनिवार्य गायन किया जाएगा।

एकता पदयात्रा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर निकाली जा रही है। 25 नवंबर तक प्रदेशभर में आयोजन होंगे। हर विधानसभा में 10 किमी की यात्रा निकाली जाएगी।

योगी ने कहा- जब वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर कार्यक्रम शुरू हुए तो सिर फूटना शुरू हो गए। सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया। ये वही लोग हैं, जो सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शर्मनाक तरीके से शामिल होते हैं। ये उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद लगातार देश की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहा है। जो भी क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं, वे अलगाववादी ताकतों को बढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। जाति, क्षेत्र के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, उन्हें पहचानें।

ये नए जिन्ना को पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। इसके खिलाफ भारत के हर नागरिक को खड़ा होना होगा। कोई भी व्यक्ति या संस्था राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकता।

SIR के खिलाफ बंगाल कांग्रेस भी SC पहुंची

कोलकाता. बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन SIR को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में SIR के खिलाफ याचिका लगाई है।

जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार SIR मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की SIR प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा। इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को SIR शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। TMC ने कहा कि SIR के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचार' करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है।

आकाश चौधरी ने 8 गेंद में लगातार 8 छक्के मारे

- 11 बॉल में फास्टेस्ट फिफ्टी बनाई
- युवराज-शास्त्री का रिकॉर्ड तोड़ा; रणजी में रचा इतिहास

आपने लगातार 6 छक्कों के रिकॉर्ड के बारे में सुना ही होगा। 2007 में युवराज सिंह ने टी-20 वर्ल्डकप में लगाए थे। रवि शास्त्री भी रणजी ट्रॉफी में लगा चुके हैं। अब एक नया रिकार्ड बना है। सिर्फ ओवर में छह छक्के नहीं लगे। ओवर समेत आठ गेंदों पर लगातार आठ छक्के मारे गए।

क्रिकेट के इतिहास का यह बड़ा रिकार्ड रविवार को सूरत में रणजी ट्रॉफी के मैच में बना। यह कारनामा किया है मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने।

25 साल के आकाश ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 14 बॉल पर नाबाद 50 रनों की पारी खेली। इसी के साथ वे फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज 11 बॉल पर फिफ्टी बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। आकाश ने इंग्लैंड के बेन वाइट के 12 बॉल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

- 6 बॉल पर 6 छक्के लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी

आकाश फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार 6 बॉल पर 6 सिक्स लगाने वाले तीसरे ही प्लेयर बने। सबसे पहले गैरी सोबर्स ने 1968 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक ओवर में लगातार छह छक्के मारे थे। उन्होंने यह कारनामा ग्लैमरगन और नॉटिंघमशायर के बीच मैच में मैल्कम नैश के एक ओवर में किया था। फिर 1984-85 में रवि शास्त्री ने यह कारनामा किया।

तिरुपति लड्डू में जानवरों की चर्बी मिलाने के केस में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली. देश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुपति मंदिरों में लाखों लोग हर साल दर्शन करने पहुंचते हैं। इन श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रसाद के रूप में लड्डू दिए जाते हैं। बीते साल इन लड्डुओं की जांच में पता चला था कि इनमें जानवरों की चर्बी मिला घी इस्तेमाल किया गया है। यह मामला ऐसा तूल पकड़ा था कि सुप्रीम कोर्ट तक में अर्जी दाखिल हुई है। अब इस केस की जांच में 50 लाख रुपये के लेनदेन की बात सामने आई है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को घी सप्लाई करने के मामले में यह गड़बड़ी हुई है। जांच में कहा गया है कि यह रकम तिरुपति मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन रहे वाईवी सुब्बा रेड्डी के सहायक के. चिन्नाप्पन्ना को यह रकम दी गई थी।

वाईवी सुब्बा रेड्डी तब लोकसभा के सांसद थे और अब राज्यसभा में हैं। उनके निजी सहायक के. चिन्नप्पन्ना को 50 लाख रुपये कैश मिले थे। यह पूंजी हवाला एजेंट्स के जरिए दी गई थी, जो यूपी स्थित कंपनी एग्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने भेजी थी। यही नहीं जांच में यहां तक पता चल गया है कि दिल्ली स्थित एक एजेंट अमन गुप्ता ने उन्हें 20 लाख रुपये दिए थे। इसके बाद कंपनी के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव विजय गुप्ता ने बाकी की रकम दी थी। दोनों बार रकम का लेनदेन दिल्ली के पटेल नगर मेट्रो स्टेशन के पास हुआ था। बीते साल इस मामले पर खूब विवाद मचा था और प्रसाद की पवित्रता से समझौता करने के आरोप लगे थे।

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो बेंच ने सीबीआई, राज्य पुलिस और फूड सेफ्टी अधिकारियों को मिलाकर एक जांच कमेटी बनाने का आदेश दिया था। इस टीम ने जांच की तो कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जांच में कहा गया है कि लड्डुओं के लिए घी सप्लाई करने में 4 कंपनियां शामिल थीं। इन कंपनियों की ओर से दस्तावेजों में छेड़छाड़ की गई और कीमतों में भी फेरबदल किए गए ताकि टेंडर हासिल हो सकें। जांच में पाया गया कि 60.37 लाख किलो घी 240.8 करोड़ रुपये में बेचा गया। खासतौर पर भोले बाबा ऑर्गनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड ने यह घी तैयार किया था। इसमें पाम ऑइल और केमिकल्स का इस्तेमाल किया गया था।

इस घी को कंपनी ने अपने रुड़की स्थित प्लांट में बनाया था। इसके बाद इस घी को तीन अन्य कंपनियों श्री वैष्णवी डेयरी ने 133.12 करोड़ रुपये में सप्लाई किया। वहीं मालगंगा मिल्क ऐंड एग्रो प्रोडक्ट्स ने 73.18 करोड़ रुपये में सप्लाई किया। एक और कंपनी एआर डेयरी फूड्स ने 1.61 करोड़ रुपये के घी की सप्लाई की। एनडीटीवी के अनुसार रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि मैसुरु स्थित कंपनी सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट ने मिलावट की बात कही थी। इसके बाद भी सप्लाई 2024 तक जारी रही। जांच में मिलावट पता लगने के बाद भी सप्लाई होते रहने पर ही सवाल उठ रहे हैं।

पाकिस्तान में है 'दुल्हन बाजार', लगती है लड़कियों की बोली

पाकिस्तान की बिगड़ती अर्थव्यवस्था ने इसे इतना कंगाल बना दिया है कि यह पैसे के लिए कुछ भी करने को तैयार बैठा है। भारी चीनी कर्ज के बोझ तले दबा यह देश एक तरह से बीजिंग का एक अधीनस्थ राज्य बन चुका है। लेकिन चीन पर इसकी बढ़ती निर्भरता का एक और दर्दनाक मामला सामने आया है, जिसे जानकर हर कोई हैरान है। सीमावर्ती इलाकों की कम उम्र की पाकिस्तानी लड़कियों को 'दुल्हन बाजार' में महज 700 डॉलर में चीनी पुरुषों को बेच दिया जा रहा है।

मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, यह अमानवीय प्रथा पाकिस्तान की खराब आर्थिक हालत से उपजी है। दूरस्थ सीमांत गांवों में गरीबी चरम पर है। यही कारण है कि परिवार अपनी बेटियों की शादी अमीर चीनी पुरुषों से मामूली राशि के बदले करने को विवश हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीनी और पाकिस्तानी बिचौलियों के गिरोह लाचार माता-पिता को लालच देकर 700 से 3200 डॉलर (लगभग 2 से 9 लाख पाकिस्तानी रुपये) तक की पेशकश करते हैं। वहीं दलाल 25000 से 65000 डॉलर तक लेते हैं।

दूसरी ओर सोशल मीडिया पर 'डेढ़ लाख में पत्नी' या 'मुफ्त में ससुराल' जैसे वायरल मीम्स इन बदहाल लोगों का मजाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल होते हैं, लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा क्रूर है। खासकर ईसाई बहुल सीमावर्ती क्षेत्रों में, गरीबी के चलते परिवार अपनी नाबालिग बेटियों को शादी के नाम पर चीनी खरीदारों के हवाले कर दे रहे हैं। इतना ही नहीं, कभी-कभी तो बीमार माता-पिता या भाई-बहन भी 'दुल्हन' के साथ चीन चले जाते हैं।

जांच एजेंसियों ने पाया कि ज्यादातर शिकार 12 से 18 साल की लड़कियां हैं, जो मुख्य रूप ईसाई समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। जांचकर्ताओं ने 629 से अधिक मामलों की पुष्टि की है, जहां संगठित गिरोहों ने 'विवाह' के बहाने नाबालिग लड़कियों को चीन भेजा। जांच में खुलासा हुआ है कि ये लड़कियां वहां मजदूरी के लिए बंधुआ बन जाती हैं या उनके अपनों द्वारा ही वेश्यावृत्ति के दलदल में धकेल दिया जाता है।

संक्षेप...

35 साल के आदमी की बिल्डिंग के पानी के टैंक में डूबने से मौत

मुंबई. वडाला के भक्ति पार्क में एक MHADA बिल्डिंग में रहने वाले 35 साल के एक आदमी की रविवार को बिल्डिंग के पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। दोपहर 1.50 बजे, मुंबई फायर ब्रिगेड को एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि वडाला ईस्ट, भक्ति पार्क, MMRDA कॉलोनी, MHADA बिल्डिंग नंबर 11 के अंडरग्राउंड पानी के टैंक में एक आदमी गिर गया है। BMC डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के अधिकारियों ने बताया, ₹मुंबई फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और एक डेड बॉडी मिली। उसे लोकल पुलिस को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान सुरेश देवेंद्र के रूप में हुई, जो उसी सोसाइटी का रहने वाला था जहां वह डूबा था। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मृतक गलती से पानी के टैंक में गिरा था और मौत की असली वजह क्या थी।

महाराष्ट्र में बजा चुनावी बिगुल

नपा और नगर पंचायतों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू

मुंबई. राज्य की 246 नगर पालिकाओं और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। महायुति और महाविकास आघाड़ी के घटक दलों के बीच गठबंधन को लेकर राज्य स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई है। चूँकि सभी राजनीतिक दलों को स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने के अधिकार दिए गए हैं, इसलिए गठबंधन या समीकरण बनने की संभावना है। कुछ जगहों पर पार्टी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव नहीं लड़े जाएँगे।

राज्य में स्थानीय स्वशासन निकायों के चुनाव, जो कोरोना महामारी के कारण स्थगित हो गए थे, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के कारण हो रहे हैं। पहले चरण में 242 नगर पालिकाओं और 46 नगर पंचायतों की 6,859 सीटों के लिए मतदान होगा। 288 नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के महापौर पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव होंगे। नगर पालिकाओं के लिए दो सदस्यीय वार्ड प्रणाली और नगर पंचायतों के लिए एक सदस्यीय वार्ड प्रणाली लागू है। नगर पालिकाओं में मतदाताओं को तीन वोट डालने होंगे, एक महापौर पद के लिए और दो वार्ड के लिए। नगर पंचायतों में, दो वोट डालने होंगे, एक महापौर और एक सदस्य पद के लिए।

इससे पहले, राज्य में 2016-17 में नगर पालिकाओं के चुनाव हुए थे। राज्य की सभी 236 नगर पालिकाओं का कार्यकाल 2022 तक समाप्त हो गया है। यह चुनाव 246 नगर पालिकाओं के लिए हो रहा है, जिनमें 236 पुरानी और 10 नई स्थापित नगर पालिकाएँ शामिल हैं। नगरपालिका चुनावों में अपनी ताकत आजमाने की संभावना है, और भाजपा और कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों ने स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने के अधिकार दिए हैं। अगर नगर पालिकाओं में गठबंधन होता है, तो यह राजनीतिक दलों के लिए एक झटका होगा। गठबंधन और गठबंधन कम सीटें साझा करते हैं और इससे पार्टी में उम्मीदवारों में फूट पड़ जाती है। इसलिए, स्थिति को देखते हुए, निर्णय लेने का अधिकार स्थानीय नेताओं को दिया गया है।

कुछ जगहों पर उलटे गठबंधन के संकेत मिल रहे हैं। रायगढ़ जिले के कर्जत में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार और शिवसेना ठाकरे गुट ने मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

बेशक, यह गठबंधन पार्टी के चुनाव चिन्ह पर नहीं होगा। कोंकण में राणे के खिलाफ शिवसेना शिंदे और ठाकरे गुट के एक साथ आने की चर्चा है। कुछ और जगहों पर भी ऐसे अजीबोगरीब गठबंधन बन सकते हैं। यह तस्वीर नामांकन वापस लेने की समय सीमा के बाद ही साफ होगी।

चुनावी कार्यक्रम

नगरपालिकाएँ : 246
नगर पंचायतें : 42
कुल सीटें : 6,859
आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया : 10 से 17 नवंबर
आवेदन वापसी : 21 नवंबर तक
मतदान : 2 दिसंबर
मतगणना : 3 दिसंबर

विभागवार नगर पालिकाएँ और नगर पंचायतें

कोंकण : 27, नासिक : 49, पुणे : 60, छत्रपति संभाजीनगर : 52, अमरावती : 45, नागपुर : 55

मुंबई में ठंड ने दी दस्तक

- **अब तक का सबसे कम तापमान दर्ज**

मुंबई. मुंबई में मौसम ने करवट ली और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। यह इस मौसम में पहली बार हुआ है, जो शहर में हल्की शीत ऋतु के आगमन का संकेत है। यह ठंडी सुबह मुंबई के लिए सामान्य है, क्योंकि नवंबर और दिसंबर के महीनों में शहर में हल्की ठंड महसूस होने लगती है लेकिन रविवार को तापमान घटने से मुंबईकरों को सुबह ठिठुरन महसूस हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के सांताक्रूज़ वेधशाला के अनुसार, रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री कम था। वहीं, कोलाबा वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री कम रहा। ज़्यादा जानें होम थिएटर सिस्टम लाइफस्टाइल उत्पाद खेल ट्रेंडिंग न्यूज़ अलर्ट ज्योतिषीय परामर्श माउस समाचार सदस्यता मुंबई में दिन में कैसा रहा मौसम? शहर में दिन का तापमान भी सामान्य से नीचे दर्ज किया गया।

आईएमडी कोलाबा वेधशाला ने अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस बताया, जो सामान्य से दो डिग्री कम था। जबकि, आईएमडी सांताक्रूज़ वेधशाला में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा। इस सप्ताह कैसा रहेगा मौसम? मौसम विभाग ने आगामी सप्ताह के लिए मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों, जैसे ठाणे और नवी मुंबई में ठंड बढ़ने का पूर्वानुमान लगाया है। मुंबई और इसके पड़ोसी जिलों में आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिससे ठंड का एहसास होगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग मुंबई की वैज्ञानिक शुभांगी भूटे ने बताया, ₹फिलहाल बेमौसम बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने से तापमान गिरेगा। मौसम शुष्क और आसमान साफ रहेगा।₹

जनवरी तक घोड़बंदर रोड ट्रैफिक जाम से मुक्त हो जाएगा

- **परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का दावा**

ठाणे. गायमुख घाट के पुनर्निर्माण, घोड़बंदर सर्विस रोड कनेक्शन, अमृत जल पाइप बिछाने और महावितरण चैनलों को स्थानांतरित करने जैसे सभी कार्यों के पूरा होने के साथ, नए साल, जनवरी 2026 तक घोड़बंदर रोड पूरी तरह से ट्रैफिक जाम से मुक्त हो जाएगा. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को यह दावा किया।

अरविंद पेंडसे सभागृह में आयोजित बैठक में मनपा आयुक्त सौरभ राव, एमएमआरडीए के संयुक्त महानगर आयुक्त आस्तिक कुमार पांडे, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट, नगर अभियंता प्रशांत सोनागरा और मनपा, एमएमआरडीए, मेट्रो, लोक निर्माण विभाग, कलेक्टर कार्यालय, म्हाडा आदि के अधिकारी उपस्थित थे। घोड़बंदर रोड न्याय विभाग के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

न्याय विभाग के प्रतिनिधियों ने बैठक में घोड़बंदर रोड की विभिन्न समस्याओं के संबंध में एक प्रस्तुति दी। इसकी समीक्षा के बाद, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एमएमआरडीए, मनपा, मेट्रो और लोक निर्माण विभाग से सड़क कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। ठाणे मनपा सीमा में गायमुख घाट में सड़कों के पुनर्निर्माण का कार्य यातायात पुलिस के समन्वय से किया जाएगा। साथ ही, घोड़बंदर रोड के लिए न्याय विभाग के प्रतिनिधियों के सुझाव के अनुसार, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने निर्देश दिया कि घोड़बंदर रोड पर सभी फ्लाईओवरों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का काम एक साथ शुरू किया जाए और पूरा किया जाए। साथ ही, गायमुख घाट के सुदृढ़ीकरण का काम पूरा होने के बाद, घोड़बंदर रोड को ठाणे नगर निगम को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी की जाए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने लोक निर्माण विभाग और ठाणे नगर निगम को निर्देश दिए।

इस बैठक में ओवला-माजीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में वर्तकनगर, माजीवाड़ा, लोढ़ा और समता नगर में सामुदायिक मंदिर, नगला बंदर खाड़ी तट और कंडलवन उद्यान का सौंदर्यीकरण, उपवन में धर्मवीर आनंद दीघे जिमखाना, स्विमिंग पूल, श्मशान, कुआं, हिंदू हृदय सम्राट स्व. बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी, अप्पासाहेब धर्माधिकारी भवन, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, आनंद नगर, कसारवडवली गार्डन, भयंदर पाड़ा में कान्होजी आंग्रे गार्डन का सौंदर्यीकरण, आनंदीबाई जोशी अस्पताल, मराठा भवन, महिला छात्रावास, सी.डी. परिवहन मंत्री ने देशमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण भवन, सुधाकर चव्हाण बहुउद्देशीय भवन, शिवाई नगर, नाली निर्माण कार्य, जॉगिंग ट्रैक, कासरवडावली में बाजार, राम मंदिर झील सौंदर्यीकरण, लता मंगेशकर संगीत विद्यालय, वर्तकनगर, आनंदनगर खेल परिसर और फुटबॉल टर्फ, लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे पुस्तकालय, कासरवडावली आदि परियोजनाओं की समीक्षा की।

पंचायतकर्मियों का आंदोलन सफल

- **सरकार ने वेतन सब्सिडी की वसूली की शर्त में ढील दी**
- **संगठन के पदाधिकारियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस**

भिवंडी। महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ के राज्य उपाध्यक्ष दत्तात्रेय भोईर ने शेलार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ग्राम पंचायत कर्मचारियों के वेतन के लिए सरकार द्वारा लगाई गई वसूली की दमनकारी शर्त को रद्द कर दिया गया है और अब सरकार ग्राम पंचायत कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन के लिए सीधे सब्सिडी प्रदान करेगी। इस दौरान राज्य कोषाध्यक्ष विकास भोईर, जिला अध्यक्ष श्याम भोईर, पदाधिकारी दुर्वन पाटिल, विनेश पाटिल, कबीर भोईर आदि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ के राज्य अध्यक्ष पूर्व मंत्री बच्चू कडू के नेतृत्व में, राज्य भर के किसानों, ग्राम पंचायत कर्मचारियों और विकलांगों ने 28 और 29 अक्टूबर को नागपुर में महायल्गार आंदोलन में भाग लिया। बाद में, सह्याद्री में एक बैठक में, बच्चू कडू ने इन मांगों पर चर्चा की कि ग्राम पंचायत कर्मचारियों को जिला परिषद और नगरपालिका कर्मचारियों के बराबर वेतनमान मिलना चाहिए, कि वसूली की शर्त को समाप्त किया जाए, कि कर्मचारियों की संरचना को संशोधित किया जाए, और वेतनमान को लागू किया जाए।

सरकार ने वसूली की शर्त पर तत्काल निर्णय लिया और 4 नवंबर को ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी कर वसूली पर विचार किए बिना कर्मचारियों के वेतन के लिए एकमुश्त अनुदान को मंजूरी दे दी। जिससे राज्य की 27 हजार 920 ग्राम पंचायतों के 48 हजार कर्मचारियों को फायदा होगा, दत्तात्रेय भोईर ने बताया। चूंकि उन जगहों पर सब्सिडी कम है जहां वसूली दर कम है, इसका सीधा असर वेतन पर पड़ता है और कर्मचारियों को बहुत कम वेतन मिल रहा था। हालांकि, कोषाध्यक्ष विकास भोईर ने बताया कि इस नए आदेश से दूरदराज के इलाकों में कर्मचारियों को राहत मिलेगी जहां वसूली दर बहुत कम है इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से ग्राम पंचायत कर्मचारियों को सफलता मिली है और जिला अध्यक्ष श्याम भोईर ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में शेष मांगों का भी संगठन के माध्यम से शीघ्र ही समाधान किया जाएगा।

SST कॉलेज के विद्यार्थियों की जिला स्तरीय युवा महोत्सव में सफलता

उल्हासनगर. खेल एवं युवा सेवा संचालनालय महाराष्ट्र राज्य, पुणे के अंतर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, ठाणे तथा नेहरू युवा केंद्र, जिला ठाणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय युवा महोत्सव में एस.एस.टी. कॉलेज की संजीवनी सांस्कृतिक समिति के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी कला प्रस्तुत कर गहरी छाप छोड़ी।

इस प्रतियोगिता में कविता लेखन श्रेणी में मोनिष्का देसाई ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया, वहीं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में समाधान बागुल ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कृतियों में उनकी सृजनशीलता और सामाजिक जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

संजीवनी सांस्कृतिक समिति के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने यह सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर कॉलेज में सभी स्तरों से बधाइयों की वर्षा हो रही है। समिति के संयोजकों ने विजेता विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

'विश्व उर्दू दिवस' समारोह का शानदार आयोजन

भिवंडी. विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर यशवंतराव चौहाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ नाशिक द्वारा संचालित जी एम मोमिन विमेंस कॉलेज अध्ययन केंद्र में ' हमारी प्यारी ज़बान उर्दू' शीर्षक पर केएमई सोसायटी के सचिव दानियाल काज़ी की अध्यक्षता में विश्व उर्दू दिवस समारोह का शानदार आयोजन उर्दू बसेरा हॉल में किया गया.उक्त समारोह की विशिष्टता यह रही कि अध्ययन केंद्र के बी ए और एम ए के छात्र छात्राओं ने ही संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन, संचालन एवं प्रस्तुतीकरण किया. अध्ययन केंद्र की समुपदेशक सूफ़िया मोमिन, ज़वेरिया काज़ी, रफ़ी अंसारी और जफर आलम जामयी ने मार्गदर्शन किया था.इस अवसर पर उर्दू बसेरा हॉल बी ए और एम ए के छात्र छात्राओं से खचाखच भरा था और मंच पर मौजूद थे. अध्यक्ष दानियाल काज़ी के साथ समन्वयक अब्दुल अज़ीज़ अंसारी, डॉक्टर अबू तालिब अंसारी, मुहम्मद रफ़ी अंसारी, ज़फ़र आलम जामयी, सूफ़िया मोमिन, इंकलाब के उप संपादक कुतुबुद्दीन शाहिद, फहीम अब्दुल बारी मोमिन, डा अबूसाद, नाजिमा मोमिन, हाशमी सय्यद एजाज़, खान ज़ाकिर हुसैन, खालिद अंसारी और दूसरे अतिथिगण उपस्थित थे.दानियाल काज़ी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों का प्रस्तुतीकरण उम्मीद से कहीं ज़्यादा बेहतर था. को ऑर्डिनेटर अब्दुल अज़ीज़ अंसारी सहित शिक्षकों की पूरी टीम को मुबारकबाद देते हुए सराहना की. विशेष अतिथि

और प्रख्यात साहित्यकार रफ़ी अंसारी ने उदघाटन भाषण प्रस्तुत किया. उन्होंने डॉ इकबाल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए जावेदनामा की कुछ पंक्तियां सुनाते हुए कार्यक्रम की अच्छी शुरुआत की. दैनिक इंकलाब के उपसंपादक डॉ कुतुबुद्दीन शाहिद ने अपने संबोधन में छात्रों से कहा कि उर्दू के फ़रोग के लिए हमें दैनिक जीवन में सावधानी पूर्वक जहां तक संभव हो सके उर्दू शब्दों का उपयोग अवश्य करना चाहिए. डॉ अबू तालिब ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सराहना की।ज़वेरिया काज़ी ने भी अपने अनुभव साझा किए और छात्रों का मार्गदर्शन किया. समन्वयक अब्दुल अज़ीज़ अंसारी ने मेहमानों का परिचय दिया और पुष्प गुच्छ से उनका स्वागत किया.अंसारी निदा शकील एंड ग्रुप ने हमारी प्यारी ज़बान उर्दू नज़्म बड़ी ही सुमधुर आवाज़ में प्रस्तुत की। अंसारी खदीजा और रियाज़ आसी ने ग़ज़लें प्रस्तुत कीं. छात्राओं के दो ग्रुप ने शिकवा जवाबे शिकवा बेहतरीन ढंग से पेश किया. एम ए द्वितीय वर्ष की छात्रा खान उजमा ने उर्दू में शास्त्रीय साहित्य, शेख अदीबा ने मसनवी गुलज़ारे नसीम_एक जायज़ा, अंसारी हिरा ने कुर्रतुल ऐन हैदर की अफसाना निगारी, कुरैशी शगूफ़ा सोहराब ने उर्दू के विकास में साहित्यिक आंदोलनों का योगदान, खान आफरीन ने उर्दू के विकास में सोशल मीडिया का रोल, निदा शकील ने उर्दू में महिला साहित्य विषय पर आलेख प्रस्तुत किए.शिक्षक ज़फ़र आलम जामयी ने उर्दू अतीत, वर्तमान और भविष्य पर आलेख प्रस्तुत किए. अंसारी खदीजा और अंसारी रशीदा ने कार्यक्रम का सफल सूत्र संचालन किया. शिक्षिका सूफ़िया मोमिन ने आए हुए मेहमानों का शुक्रिया अदा किया.कार्यक्रम को सफल बनाने में तहूर मोमिन और छात्रों का विशेष सहयोग शामिल रहा.

ट्विंकल खन्ना ने बताईं मेनोपॉज की दिक्कतें

ट्विंकल खन्ना मेनोपॉज से परेशान हैं और उन्होंने अपनी समस्याओं का जिक्र एक न्यूजपेपर के लेटेस्ट कॉलम में किया है। ट्विंकल लिखती हैं कि उनको रात में पसीना आता है, हॉट फ्लैश होते हैं और कई दिक्कतें हैं जबकि पति अक्षय कुमार चैन की नींद सोते हैं भले आसपास बिल्डिंग गिर जाए। उन्हें मर्दों से जलन होने लगी है। ट्विंकल ने यह भी कहा कि उनकी हड्डियां कमजोर हो रही हैं और चिन पर बाल भी दिखता है।

ट्विंकल खन्ना ने टाइम्स ऑफ इंडिया के कॉलम में लिखा है कि वह मेनोपॉज के सिम्प्टम्स झेल रही हैं। उन्होंने मेनोपॉज की तुलना उस चोर से की जो ना सिर्फ आपकी सेफ खोलकर कीमती सामान ले जाता है बल्कि फर्नीचर भी अपनी पसंद के हिसाब से इधर-उधर कर देता है। ट्विंकल ने लिखा उन्हें हॉट फ्लैशेज, रात में पसीना, हड्डियां कमजोर होना, स्किन पतली होना और ठुड्डी का नया बाल... ये सब दिक्कतें हो रही हैं।

मर्दों से होने लगी जलन

ट्विंकल ने यह भी लिखा कि उन्हें तेज आवाज से दिक्कत होने लगी है। उन्होंने मर्दों से जीवन में पहली बार जलन भी हो रही है। ट्विंकल लिखती हैं, 'मेरे पति सोते रहते हैं, चाहें बिल्डिंग गिरे, कुत्ते भौंके और छठ पूजा के दौरान तो सारी रात बीच पर पटाखे चले तब भी...मुझे मर्दों से जलन होती है। उनके हॉरमोन्स कभी अकेला नहीं छोड़ते जबकि हमारे ऐसे भागते हैं जैसे आईआईटी ग्रैजुएट सिलिकॉन वैली।'

बेमतलब का गुस्सा

ट्विंकल ने लिखा है, मेरा शरीर और मैं एक टीम की तरह थे। अब यह बेमतलब के काम करने में लगी रहती है और बेसिक चीजें नहीं करती। मुझे पसीना बहाने के लिए कार्डियो नहीं करना पड़ता। गुस्सा होने के लिए किसी के उकसाने की जरूरत नहीं पड़ती।

चेंबूर इलाके मे दो-मंजिला कॉरपोरेट पार्क में भीषण आग

मुंबई. महाराष्ट्र के मुंबई स्थित चेंबूर इलाके में सोमवार तड़के एक दो-मंजिला कॉरपोरेट पार्क में भीषण आग लग गई।

इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, आग सायन-ट्रॉम्बे रोड स्थित कॉरपोरेट पार्क की दूसरी मंजिल पर बने थॉमस कुक कार्यालय में करीब 1.30 बजे लगी। सूचना मिलने पर आठ फायर इंजन और अन्य दमकल वाहन मौके पर भेजे गए और करीब 4.33 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि आग मुख्य रूप से विद्युत वायरिंग, कार्यालय के फर्नीचर, रिकार्ड, यूपीएस बैटरी बैकअप, फॉल्स सीलिंग, लकड़ी के दरवाजों, कांच की खिड़कियों और अन्य वस्तुओं तक सीमित रही। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

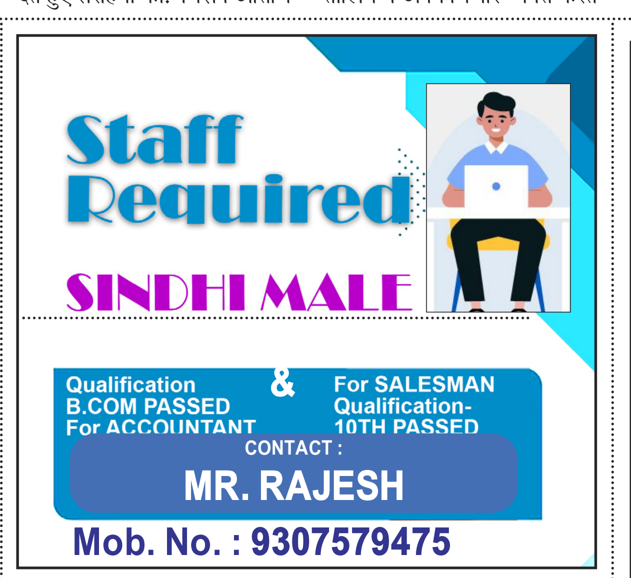

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the public at large informing that my client intending to purchase the property Commercial Shop admeasuring about 750 Sq. Ft., (Super Built Up area is equal to carpet + 40% of carpet area, & 50% otla) equivalent to 638 Sq. Ft., (Built Up area) known as Shop No. 2, on Ground Floor, of "JAI MAA GAURI APARTMENT" which is constructed on Block No. C-688, Room No. 1376 (admeasuring about 313 Sq. Yards) and Land Adjacent to Block No. C-688, Room No. 1376 Sheet No. 39 (admeasuring about 145 Sq. Yards), situated at Near Petrol Pump, Section-25, Ulhasnagar-4, Dist. Thane, totally area admeasuring 458 Sq. Yards (as it is where it is basis) assessed under Municipal Ward No. 49, Property No. 49CI019611400 from 1) MR. RAJENDRA K. HIRANI & 2) MISS NEELAM R. HIRANI

If Any person or persons having claim against or in the above property by way of any arrangement, agreement, partnership, tenancy, inheritance, succession, trust, mortgage, lien, lease, charge, maintenance easement or Govt. Liability or GST Liability otherwise howsoever is hereby required to make the same known to me in writing with documentary proof at my following address within a period of 7 days from the date hereof, otherwise such claim or claims shall be considered waived and abandoned and my client shall be absolutely free to purchase the above said property by entering into Sale Deed/Agreement free from all encumbrances.

Ramesh T. Ramrakhiyani
B.com LLB
Advocate High Court
9, Roopmilan Society, Main Road, Opp.
Venus Talkies, Ulhasnagar-4
Mobile : 9320667400 / 942266740

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099